Research Paper Journalism

न्यू मीडिया और दूरस्थ शिक्षा का समावेशी विकास

Dr.Subodh Kumar | सहआचार्य - पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा, (राज.)

ABSTRACT

न्यू मीडिया सूचना क्रांति की परिचायक है, नवाचारों ने तेज रफ्तार कार्यप्रणाली को विकसित किया है, जिसने लोगों की लाइफ स्टाइल को आसान बना दिया है| शॉपिंग से लेकर बैंकिंग और पत्र व्यवहार सभी ऑनलाइन हो गए हैं| आज सभी विधाएं अपने आप को इस माध्यम के जरिए विस्तारित कर रहीं हैं| सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। तकनीक की विकास यात्रा ने इंटरनेट की सुविधा को मोबाइल फोन तक पहुंचा दिया है। एक क्लिक ने विश्व को अपने में समाहित कर लिया है। शिक्षा भी इससे अछूती नहीं रही है और न्यू मीडिया यानी ऑनलाइन मीडिया के जरिए विश्व पटल पर शिक्षा और शोध को पहचान मिल पा रही है| खास कर यदि दूरस्थ शिक्षा की बात करें तो न्यू मीडिया ने इसे नए आयाम प्रदान किए हैं| प्रस्तुत शोध पत्र में मंथन के बाद यह बात सामने आई है कि दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने में न्यू मीडिया एक सक्रीय भूमिका निभा रहा है| दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में न्यू मीडिया का प्रयोग दूरस्थ शिक्षण संस्थानों और छात्रों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के तौर पर काम कर रहा है, जो दूरस्थ शिक्षा के समावेशी विकास का पूरक होने के प्रमाण स्थापित कर रहा है|

KEYWORDS | न्यू मीडिया, दूरस्थ शिक्षा, समावेशी विकास।

भूमिका

न्यू मीडिया के विस्तार से शिक्षा के क्षेत्र में बहुआयामी विकल्प सामने आए हैं| कई दूरस्थ शिक्षा संस्थानों ने डिजिटलाईजेशन को अपनाया है| ई- कम्युनिकेशन, ई-गवर्नेन्स और ई-कॉमर्स से कई बदलाव देखने को मिले हैं। वर्तमान में लगभग प्रत्येक दूरस्थ शिक्षा संस्थानों की अपनी वेबसाइटें उपलब्ध हैं, जिसके जरिये घर बैठे जानकारी प्राप्त की जा सकती है, साथ ही अपनी जरूरत के अनुसार जानकारी का चुनाव भी किया जा सकता है। ये साइटें संचार का एक महत्वपूर्ण साधन तो हैं ही साथ ही लोगों से जुड़ने का एक सरल माध्यम भी प्रदान कर रही हैं| इससे लोगों को संस्थान से जुड़ी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो पा रही है| छात्र वर्चुअल मीडिया के जरिए सीधे तौर पर संस्थान से संपर्क स्थापित कर पा रहे हैं| जैसे प्रवेश सम्बंधित सभी जानकारियां, आनलाइन फार्म भरना, अध्ययन सामग्री प्राप्त करना, ऑनलाइन प्रवेशपत्र प्राप्त करना तथा ऑनलाइन परीक्षा देना आदि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में न्यू मीडिया अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। दिन प्रतिदिन न्यू मीडिया दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता कायम करने के सफल प्रयास कर रहा है।

न्यू मीडिया और दूरस्थ शिक्षा

दूरस्थ शिक्षा एक ऐसी प्रणाली है जिसमे छात्र को क्लास रूम शिक्षा के बजाय शिक्षा संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई गई अध्ययन सामग्री से शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाता है| इस प्रक्रिया में आचार्य और छात्रअध्ययन सामग्री के द्वारा के दूसरे से वर्चुअल रिश्ता बनाते हैं| भारत में दूरस्थ उच्च शिक्षा संस्थानों की बात करें तो कुल 14 विश्वविद्यालय हैं, जिनमे एक केंद्रीय और 13 राज्य सरकार के विश्वविद्यालय शामिल हैं| दूरस्थ शिक्षा बांट रहे विश्विद्यालयों का दर्शन जहां न पहुंचे कोई वहां पहुंचे हम है, जो उन लोगों को गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा पहुंचाती है जो परंपरागत विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा या किसी अन्य कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं| न्यू मीडिया के जरिए दूरस्थ शिक्षा के समावेशी विकास में तेज रफ़्तार संचार को आधार मिला है| दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में न्यू मीडिया के द्वारा संचार व्यवस्था कायम किए जाने से वर्तमान परिदृश्य में दूरवर्ती शिक्षा की पहुंच में बढ़ोत्तरी के साथ ही साथ गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के लक्ष्य को भेदना आसान हो गया है| हाल ही में कई खुले विवि में प्रवेश का प्रतिशत लगभग दो गुना हो गया है ऐसा यह विश्वविद्यालय तब कर पाए हैं जब इन विश्वविद्यालयों ने सूचना संचार तकनीक को अपनी कार्यशैली में शामिल किया| दूरस्थ शिक्षा में न्यू मीडिया के प्रयोग का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है| वर्तमान में प्रत्येक खुले विश्वविद्यालय की वेबसाइट मौजूद हैं जो जीवित रूप से कार्य कर रही हैं| वेबसाइट के जरिए प्रवेश से लेकर और परीक्षा देने तक की समस्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं| आज खुले विश्वविद्यालयों द्वारा डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है|

डिजिटल अध्ययन सामग्री से अभिप्राय एसएलएम (SLM- Self Learning Meterial) के पीडीएफ, श्रव्य व्याख्यान, दृश्य-श्रव्य व्याख्यान साथ ही साथ वेब रेडियो आदि से है| बात चाहे ऑनलाइन ओपन लर्निंग सिस्टम की हो या मूडल (Moodle - Modular Object-Oriented Dynamic Learning Environment) जैसे प्लेटफार्म की हो दूरस्थ शिक्षा को अत्याधिक सरल और सुलभ बना रहे हैं| कई विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रों को आसान ई-लर्निंग मंच प्रदान करने के लिए मोबाइल एप्स भी शुरू किए गए हैं| **ICT Vision 2020 : A Milestone** इस शोधपत्र में शिक्षा में सूचना संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग की बात कही गई है। सकारात्मक सोच के साथ विजन 2020 में पठन पाठन में सूचना संचार प्रौद्योगिकी के विस्तृत प्रयोग के बारे में मत व्यक्त किए गए हैं और कहा गया है कि भविष्य में हम इतना सक्षम हो जाएंगे कि सूचना संचार प्रौद्योगिकी शिक्षा में अहम भूमिका में नजर आएगा। आज अध्यापक और विद्यार्थी दोनों को अपने विषय से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा ई-सोर्सेस का प्रयोग करना चाहिए ताकि वे हर वक्त अपडेट रह सकें। शोध पत्र में इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के दायरे को बताते हुए कहा गया है कि आने वाले कुछ ही सालों में ऑनलाइन मीडिया पर निर्भता अत्यधिक बढ़ जाएगी।[1]

Mobile Comes to India इस शोध पत्र में मोबाइल इंटरनेट के द्वारा शिक्षा की संभावनाओं का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के अनुसार वर्तमान में मोबाइल फोन के द्वारा इंटरनेट से कंनेक्ट होकर अध्ययन की तमाम जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए मोबाइल समाज से जुड़े रहने और सीखन के लिए एक पर्याप्त माध्यम के तौर पर उभर कर सामने आ रहा है| शिक्षा के विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आज के दौर में इंटरनेट की सुविधा एक सहज साधन के तौर पर मोबाइल फोन में मौजूद है| इंटरनेट पर उपलब्ध सोर्सेस से छात्र-छात्राएं लाभ उठा रहे हैं साथ ही वर्तमान की शिक्षा जरूरतों को पूरा कर करने के सफल प्रयास किये जा रहे हैं। ऑनलाइन मीडिया के प्रयोग में मोबाइल के जरिए शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने और छात्रों के द्वारा शिक्षा के लिए प्रयोग में लिए जा रहे मोबाइल इंटरनेट की पहुंच का दायरा लगातार बढ़ रहा है|[2] सूचना संचार प्रौद्योगिकी के विकास के पहले जो दूरस्थ शिक्षा पूरी तरह डाक व्यवस्था पर निर्भर थी और अपनी पहुंच को बढ़ाने के लिए संचार साधनों की तलाश करती थी|

इसी कड़ी में टीवी और रेडियो के जरिए भी दूरवर्ती शिक्षा ने खुद को विस्तृत करने के प्रयास किए हैं, परन्तु न्यू मीडिया के विकास में खुद को शामिल करने के बाद दूरस्थ शिक्षा की पहुंच विश्वव्यापी हो गई है| जहां इंटरनेट के साथ ने दूरस्थ शिक्षा की पहुंच में इजाफा किया वहीं इसके जरिए लर्निंग भी आसान हुई है| कहते हैं कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होती है इसी बात को ध्यान में रख कर लगभग 5 से 10 मिनट के विषय विशेषज्ञ के वीडियो व्याख्यानों को तैयार किया जा रहा है जो छात्रों को गुणवत्तापरक अध्ययन सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं| इनको यूट्यूब के माध्यम से अपलोड किय जा रहा है जिससे इन वीडियो व्याख्यानों से छात्र किसी भी समय लाभान्वित हो सकते हैं| पहले डाक द्वारा प्रेषण से प्रवेश से लेकर अध्ययन सामग्री सभी की पहुंच प्रभावित होती थी| आज ऑनलाइन प्रवेश ने प्रवेश की सभी जटिलताओं को कम कर दिया है साथ विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई सामग्री को पहुंचने में देरी हो तो विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध SLM के पीडीएफ को कभी भी डाउनलोड किया जा सकता है| साथ ही यदि वर्धमान महावीर खुला विवि की बात करें तो इस विवि ने वनव्यू शुरू किया है जिसके जरिए छात्र अपने पाठ्यक्रम से संबधित सभी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं जैसे उन्हें कौन से असाइनमेंट्स दिए गए हैं साथ ही इन्हें कब तक जमा करना है और उनकी परीक्षा की तिथियां परीक्षा के लगभग एक माह पूर्व ही उनके वनव्यू वेबपेज पर शो करने लगती है| वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से अध्ययन कर रहे छात्र को कोई समस्या आती है तो वह ई-मेल या मोबाइल फ़ोन के जरिए संस्थान से संपर्क स्थापित कर तुरंत अपनी समस्या का निदान कर पा रहा है| दृष्टि बाधित छात्रों के के लिए दूरस्थ शिक्षा प्रणाली श्रव्य व्याख्यान माला तैयार कर रही है जिसे ऑडियो फोन बुक भी कहा जाता है, जससे दृष्टि बाधित लोग भी गुणवत्तापरक अध्ययन सामग्री से लाभान्वित हो सकेंगे| फ्री ऑनलाइन एजुकेशनल रिसोर्सेस की भरमार है| दूरस्थ शिक्षा से जुड़े छात्र इन ऑनलाइन रिसोर्सेस के अपनी जरुरत की सामग्री को प्राप्त कर सकते हैं| इस तरह के प्रयासों से दूरस्थ शिक्षा को क्लास रूम जैसा माहौल मिल पा रहा है|

सोशल मीडिया के जरिए खुले विवि द्वारा शिक्षण सामग्री अपलोड करने का तरीका काफी कारगर साबित हो रहा है क्योंकि यदि भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 2014 में लगभग 243,198,922[3] थी, जिनमें लगातार इजाफा हो रहा है। अमेरिका के बाद भारत में फेसबुक यूजर्स की संख्या सबसे अधिक है साथ ही साथ यू-ट्यूब भी काफी लोकप्रिय सोशल साईट में शुमार है| पहले दूरस्थ शिक्षा से जुड़े छात्रों को सिर्फ उच्च शिक्षित माना जाता था| आज उन्होंने अपने कौशल को प्रदर्शित करना प्रारंभ करा दिया है हाल ही में हुए एक सर्वे में बताया गया कि दूरस्थ शिक्षा से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र भी आईएएस, प्रदेश सेवाओं, एसएससी और नेट जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता हासिल कर रहे हैं| डिजटल मीडिया के जरिए दूरस्थ शिक्षा के दरवाजे पर पहुंच आसान हुई है साथ ही साथ गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के समावेशी विकास का पथ अग्रगामी प्रवाह से धनात्मक परिणाम प्रस्तुत करने के सफल प्रयास कर रहा है|

शिक्षा में नवाचार

दूरस्थ उच्च शिक्षा में न्यू मीडिया एक प्रभावशाली उपकरण के तौर पर कार्य कर रहा है| न्यू मीडिया ने दूरस्थ उच्च शिक्षा की पहुंच को बढ़ाने के साथ ही साथ गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के लक्ष्य को भेदने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है| सूचना संचार प्रौद्योगिकी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए मूडल जैसे कई प्लेटफार्म विकसित किए हैं ,जिनके जरिए दूरस्थ शिक्षा से जुड़ना आसान हुआ है| ओपन एजुकेशन सिस्टम में न्यू मीडिया ने एक सेतु की भांति कार्य किया है जिससे विवि और छात्र के मध्य एक आसान संचार व्यवस्था कायम हो सकी है| नवाचारों के द्वारा टेक्स्ट, ऑडियो और वीडियो अध्ययन सामग्री की उपलब्धता से क्लास रूम जैसी व्यवस्था स्थापित करने का सूत्रपात किया जा चुका है| इससे यह बात सिद्ध होती है कि वर्चुअल मीडिया ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को संचार और समन्वयन के क्षेत्र में मजबूती प्रदान की है| वर्तमान में खुले विवि मोबाइल एप्स लांच कर रहे हैं जिससे दूरस्थ शिक्षा छात्र के हाथ में पहुंच गई है, इस तरह की सुविधाएं छात्रों को दूरस्थ शिक्षा से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रही हैं| न्यू मीडिया की समायोजित और व्यवस्थित आधारशिला दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के द्वारा उच्च शिक्षा के समावेशी विकास के लक्ष्य को भेदने का सफल प्रयास कर रही है, जिसके परिणाम प्रवेश संख्या में वृद्धि से दृष्टिगोचर होना प्रारंभ हो गए हैं|

REFERENCES

पुस्तकें | 1. Dr. R, S, Sharma (2006). Media Teaching and Open Learning. Jaipur : Mangal Deep Publications. | 2. Saxena, Ambrish (2012). Issue of communication development and society. Gaur, Mishra, Anuradha(Eds.), New Media effect on psychology of college student (P.P. 138-143). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 3. Saxena, Ambrish (2012). Issue of communication development and society. Gera, Gagan (Eds.) Social Media Networking and concept of International Citizenship (P.P.163-167). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 4. Mathur, K, Prasant (2012). Social Media and Networking Concept trend and dimensions. New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 5. जोशी, शालनी, जोशी, शिवप्रसाद (2012). वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रूझान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड | 6. सिंह, सुरजीत (2012). मीडिया अचीवर्स. जयपुर: हार्सबैक पब्लिकेशन। (पेज सं. 107 से 115) | **शोध पत्र** | 7. Gupta, Komal.(Oct-Dec., 2013). ICT Vision 2020 : A Milestone. Communication Today, 44-53.[1] | 8. Mathur, Anubhav.(Oct-Dec., 2013). Mobile Comes to India. Communication Today.[2] | **वेबसाइट्स** | 9. http://www.internetlivestats.com/internet-users-by-country/ (31.06.15. 5.20 pm) [3] | 10. http://en.wikipedia.org/wiki/Moodle. (03.07.15. 10.05 am) | 11. http://en.wikipedia.org/wiki/Open_learning. (01.07.15. 1.40 pm)